भारत निर्वाचन आयोग

निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली - 110001

प्रेस नोट

सं. ईसीआई/प्रेस नोट/54/2015 दिनांकः- 15 सितम्बर, 2015

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एशियाई निर्वाचन अधिकारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा

भारत निर्वाचन आयोग ने एशियाई निर्वाचन प्राधिकारी एसोशिएशन की कार्यकारी बोर्ड बैठक की अध्यक्षता की

भारत निर्वाचन आयोग ने आज नई दिल्ली में एशियाई निर्वाचन प्राधिकारी एसोशिएशन (एएईए) की 2015 की कार्यकारी बोर्ड बैठक की मेजबानी की। यह संयोगवश, संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा यथाघोषित अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस (15 सितम्बर) के दिन था। दो वर्षों के कार्यकाल के लिए एएईए का अध्यक्ष होने के नाते डा. नसीम जैदी ने कार्यकारी बोर्ड के वर्तमान अध्यक्ष के रुप में बैठक की अध्यक्षता की। भूटान, मंगोलिया और कोरिया गणतंत्र के निर्वाचन आयोग के वरीय प्रतिनिधियों ने कार्यकारी बोर्ड के विचार-विमर्श में भाग लिया।

डा. नसीम जैदी, भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त एवं अध्यक्ष, एएईए, निर्वाचन आयुक्त श्री ए.के. जोति एवं श्री ओ.पी. रावत एएईए कार्यकारी बोर्ड के सदस्यों के साथ।

डा. जैदी ने यह बात जोर देकर कही कि और अधिक एशियाई देशों को शामिल करके एएईए को सही मायनों में अपने आपको प्रतिनिधिक बनाना चाहिए। उन्होंने इस क्षेत्र में निर्वाचन प्रबंधन निकायों के बीच अनुभवों को साझा करने और क्षमता निर्माण के प्रति भारत

निर्वाचन आयोग की प्रतिबद्धता को भी दोहराया। कार्यकारी बोर्ड ने एसोशिएशन का सदस्य बनने के लिए अन्य एशियाई देशों के निर्वाचन प्राधिकारियों को आमंत्रित करने का निर्णय लिया। कार्यकारी बोर्ड 2015-16 के लिए एक अद्यतनीकृत कार्य योजना पर भी सहमत हुआ जिसमें इस क्षेत्र में निर्वाचन दौरों, निर्वाचन संबंधी थीमों पर सम्मेलनों एवं सेमिनारों के माध्यम से अनुभवों का आदान-प्रदान करना तथा क्षमता निर्माण करना शामिल होंगे। सहमत कार्य योजना के भाग के रुप में भारत निर्वाचन आयोग 2016 में एएईए सदस्यों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करेगा।

कार्यकारी बोर्ड महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए वार्षिक आधार पर बैठक करता है और एसोशिएशन की साधारण सभा, जिसकी प्रत्येक दो वर्षों में बैठक होती है, को रिपोर्ट करता है।

कार्यकारी बोर्ड बैठक के उपरांत भारत निर्वाचन आयोग ने निर्वाचन संबंधी थीमों पर एक अर्ध-दिवसीय सेमिनार की भी मेजबानी की जिसमें भूटान, मंगोलिया एवं भारत के प्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुतीकरण किए गए। भूटान और भारत के प्रस्तुतीकरण मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचन प्रक्रिया के सर्वसमावेशीयन पर केंद्रित थे जबकि मंगोलिया का प्रस्तुतीकरण मतदाता पंजीयन, मतदान एवं मतगणना में स्वचलीकृत प्रणालियों के इस्तेमाल पर केन्द्रित था। सेमिनार में डॉ. नसीम जैदी के अलावा निर्वाचन आयुक्त, श्री ए.के. जोति और श्री ओ.पी. रावत एवं ईसीआई के वरीय अधिकारियों ने भाग लिया।

प्रतिभागियों ने यह माना कि सेमिनार अनुभवों को साझा करने एवं एक-दूसरे से सीखने का एक अत्यन्त उपयोगी तरीका है।

भारत एएईए का एक संस्थापक सदस्य है। इसकी स्थापना 1998 में की गई थी और 2014 में तीन नए सदस्यों के शामिल होने के साथ इसके अब 20 देश हैं। भारत के अलावा, दूसरे सदस्य अफगानिस्तान, बांगलादेश, भूटान, कंबोडिया, इंडोनेशिया, कजाखिस्तान, दक्षिण कोरिया, किरगिज गणतंत्र, मालदीव, मंगोलिया, नेपाल, पाकिस्तान, पापुआ न्यू गिनी, फिलीपीन्स, रुसी परिसंघ, श्रीलंका, ताईवान, तजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान हैं। संगठन की संकल्पना खुले एवं पारदर्शी निर्वाचनों को संस्थागत रुप देना स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन प्राधिकारों को बढ़ावा देना एशियाई निर्वाचन प्राधिकारों को प्रोफेशनल स्वरुप देना, निर्वाचकीय एवं नागरिक प्रक्रिया में नागरिक प्रतिभागिता, जानकारी को साझा करना, और निर्वाचन संबंधी सूचना एवं अनुसंधान के लिए संसाधनों का विकास करना है।

(धीरेन्द्र ओझा)

निदेशक